Vol II Issue V Nov 2012

Impact Factor : 0.1870

ISSN No :2231-5063

Monthly Multidiciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

IMPACT FACTOR : 0.2105

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Golden Research Thoughts
Volume 2, Issue. 5, Nov. 2012
ISSN:-2231-5063
Available online at www.aygrt.net

ORIGINAL ARTICLE

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों पर संचालित शैक्षणिक संस्थाओं के प्रभाव का अध्ययन

कालिका यादव , असरारूल गनी , रेखा सूर्यवंशी

निदेशक, सतत शिक्षा विभाग, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
प्राध्यापक, एन.ई.एस. शिक्षा महाविद्यालय, होशंगाबाद (म.प्र.)
सहायक प्राध्यापक, रेणु शिक्षा महाविद्यालय, मण्डीदीप, जिला–रायसेन (म.प्र.)

सारांश :

अनुसूचित जातियों–जनजातियों के पिछड़ेपन का एक महत्वपूर्ण कारक एवं सूचक अल्पसाक्षरता है। अल्पसाक्षरता के कारण ही यह वर्ग अन्य वर्गों से पिछड़ा है। अपनी निरक्षरता के कारण आज तक यह वर्ग समाज की मुख्य धारा से पूर्णतः जुड़ने में असमर्थ रहा है। केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर इन वर्गों को ऊँचा उठाने के लिए अनेकों सामाजिक–आर्थिक व शैक्षणिक प्रयास किये जा रहे हैं, जिसमें आदिम जाति, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा अनेकों शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन किया जा रहा है। साथ ही अनेकों कल्याणकारी योजनाओं का भी संचालन किया जा रहा है, जिससे यह वर्ग शिक्षा की ओर आकर्षित हो सके तथा समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकें।

प्रस्तावना :

अनुसूचित जातियों–जनजातियों के पिछड़ेपन का एक महत्वपूर्ण कारक एवं सूचक अल्पसाक्षरता है। साक्षरता में पिछड़ेपन के कारण ही यह वर्ग प्राचीनकाल से समाज की मुख्य धारा से पृथक रहा है। इनके अस्तित्व एवं विकास के लिए हमारे संविधान निर्माता भी सजग रहे हैं। समाज में इन वर्गों की स्थिति को सुधारने के लिए संविधान में मौलिक अधिकारों के अन्तर्गत खण्ड–4 की धारा–46 में राज्य सरकारों को समाज के कमजोर वर्गों के शैक्षणिक एवं आर्थिक हितों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया है, जिससे उन्हें सामाजिक अन्याय एवं विविध प्रकार के शोषणों से बचाया जा सके।

आर्थिक सर्वेक्षण 1998 : 173, 174– मध्यप्रदेश में अनुसूचित जातियों में अशिक्षा के परिणाम स्वरूप विभिन्न समस्याएँ जन्म ले रही हैं। संचार साधनों की उपलब्धता, ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में निवास, आवागमन के पर्याप्त साधन आदि वैकासिक सम्पन्नतायें अनुसूचित जनजातियों के सापेक्षतः अधिक पायी जाती है।

भारतीय संविधान की पाँचवीं अनुसूची में जनजातियों को विशेष संरक्षण एवं सहायता देकर समाज के समुन्नत वर्गों की बराबरी में लाने का संकल्प किया गया, लेकिन मध्यप्रदेश के गठन के बाद प्रदेश के विकास में अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ा है।

साठ के दशक में पहुँचते–पहुँचते यह अनुभव किया गया कि अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा के अलावा दूसरा रास्ता नहीं है।

कुमार अश्विनी 1989 के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलते हैं कि सरकार द्वारा जनजातिय तथा अनुसूचित जाति के छात्रों के विकास हेतु विशेष प्रयास किये गये हैं।

(आर्थिक सर्वेक्षण : 1998, 175) राज्य में 1.18 लाख वर्ग कि.मी. क्षेत्र में फैले 46 जनजाति समूहों को अनुसूचित जनजाति घोषित किया गया है। मध्यप्रदेश की जनजातियों में शिक्षा का स्तर अत्याधिक निम्न है और निम्न शैक्षणिक स्तर ही जनजातियों की जागरूकता व विकास में सबसे बड़ी बाधा है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा शासकीय/अशासकीय इकाईयों के माध्यम से शैक्षणिक विकास के विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के विकास में शिक्षा की कमी को दूर करने के लिए अनेक शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है, जिससे इन वर्गों की साक्षरता के साथ–साथ अन्य शिक्षा के प्रति अभिरूचि में वृद्धि स्पष्ट दिखाई देती है। द्वितीय योजनाकाल (1950 से 1961) में शिक्षा के विकास के लिए शासन द्वारा विशेष कार्यक्रम संचालित किये गये, जिससे इनके आर्थिक विकास के साथ तकनीकी क्षेत्र में तेजी से प्रगति की जा सके तथा जिससे समाज में विकास के समान अवसर प्राप्त किये जा सके।

उद्देश्य :–

(1)शैक्षणिक संस्थाओं के विस्तार की स्थिति ज्ञात करना।
(2)संचालित शैक्षणिक संस्थाओं तथा उपलब्ध सुविधाओं का लक्षित वर्ग पर पड़ने वाले प्रभाव को ज्ञात करना।

परिकल्पनाएँ :–

(1)अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संचालित संस्थाओं के विस्तार की स्थिति प्रगतिशील होगी साथ ही यह इन वर्गों के शैक्षिक विकास में सहायक सिद्ध होगी।
(2)संचालित शैक्षणिक संस्थाएँ इन वर्गों के शैक्षिक विकास में प्रभावकारी सिद्ध होगी।

अध्ययन की प्रविधि :–

अध्ययन प्रतिवेदनों में प्रयुक्त संमकों का संकलन शिक्षा विभाग तथा आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्रतिवेदनों से किया गया है। अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अवलोकन, साक्षात्कार विधियों का उपयोग किया गया। प्रशासकीय प्रतिवेदनों के माध्यम से प्राप्त सूचनाओं, समंकों से प्राप्त जानकारियों का विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाला गया।

अध्ययन क्षेत्र :– प्रस्तुत शोध कार्य में अध्ययन राज्य स्तर पर पूर्ण किया गया है।

तालिका क्रमांक–01

आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थाएँ

	संस्था का प्रकार	संचालित संस्थाएँ	विद्यार्थियों की दर्ज संख्या	संचालित संस्थाएँ	विद्यार्थियों की दर्ज संख्या	संचालित संस्थाएँ	विद्यार्थियों की दर्ज संख्या
		वर्ष 2009–10		वर्ष 2010–11		वर्ष 2011–12	
	प्राथमिक शालाएँ	12643	1826092	23223	1770697 आदि 305443	23223	1712103
	माध्यमिक शालाएँ	4369	620921	6148	649016 आदि 412511	6148	727637
	हाई स्कूल	899	242924	–	247333 आदि 136801	–	312963
	उ.मा. विद्यालय	543	103310	–	100885 आदि 45571	–	131212
	आदर्श उ.मा. विद्यालय	08	1265	–	–	–	1595
	आवासीय कन्या शिक्षा परिसर	02	444	02	444	02	481
	एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय	1811	5040	–	5040	20	4662
	क्रीड़ा परिसर	05	1700	17	1700	17	1700
	प्री–मैट्रिक छात्रावास	264	49574	1282	53574	1303	59024
	पोस्ट मैट्रिक छात्रावास	44	5765	106	5865	106	5865
	आश्रम शालाएँ	438	54520	950	56520	990	59520
	आवासीय आदर्श विद्यालय	–	300	03	518	03	594
	कन्या शिक्षा परिसर	13	974	13	1161	13	1283

स्त्रोतः मध्यप्रदेश शासन आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, प्रशासकीय प्रतिवेदन 2009–10, 2010–11 एवं 2011–12.

DSpace™

तालिका क्रमांक–02

अनुसूचित जाति विकास द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थाएँ

	संस्था का नाम	बालक		कन्या		योग	
		संख्या	सीट	संख्या	सीट	संख्या	सीट
	प्री–मैट्रिक छात्रावास (अजा)	585	18389	361	14454	946	32843
	प्री–मैट्रिक छात्रावास (वि.जा.)	42	1815	28	1280	70	3095
	पोस्ट मैट्रिक छात्रावास	79	4050	37	1975	116	6025
	आश्रम शालायें (अजा)	59	2547	129	5600	188	8147
	आश्रम शालायें (बांछड़ा/बेड़िया)	–	–	05	150	05	150
	आश्रम शालायें (वि.जा.)	31	1694	02	80	33	1774
	सामुदायिक कल्याण केन्द्र (वि.जा.)	09	415	03	60	12	475
	आवासीय विद्यालय (हेतु छात्रावास)	07	980	07	980	14	1960
	योग	**812**	**29890**	**572**	**24554**	**1384**	**54469**

स्त्रोतः मध्यप्रदेश शासन आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, प्रशासकीय प्रतिवेदन 2009–10.

तालिका क्रमांक–03

अनुसूचित जाति विकास द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थाएँ

	संस्था का नाम	बालक		कन्या		योग	
		संख्या	सीट	संख्या	सीट	संख्या	सीट
	प्री–मैट्रिक छात्रावास (अजा) उत्कृष्ट शिक्षा केन्द्रों सहित	585	18895	361	14949	946	33844
	प्री–मैट्रिक छात्रावास (वि.जा.)	42	1815	28	1280	70	3095
	पोस्ट मैट्रिक छात्रावास	79	4050	39	2075	118	6125
	आश्रम शालायें (अजा)	59	2547	129	5600	188	8147
	आश्रम शालायें (बांछड़ा/बेड़िया)	–	–	05	150	05	150
	आश्रम शालायें (वि.जा.)	31	1694	02	80	33	1774
	सामु.कल्याण केन्द्र (वि.जा.)	09	415	03	60	12	475
	आवासीय विद्यालय हेतु छात्रावास	07	980	07	980	14	1960
	योग	**812**	**30396**	**574**	**25174**	**1386**	**55570**

स्त्रोतः मध्यप्रदेश शासन आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, प्रशासकीय प्रतिवेदन 2010–11.

निष्कर्ष :–

1.संचालित शैक्षणिक संस्थाओं की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है।
2.शैक्षणिक संस्थाओं में क्रमशः प्रतिवर्ष अध्ययनरत् अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों की दर्ज संख्या में निरन्तर वृद्धि हुई है।
3.कन्या शिक्षा परिसर, आवासीय कन्या शिक्षा परिसर के अन्तर्गत संचालित संस्थाएँ ग्रामीण छात्राओं के लिए अत्यन्त लाभकारी सिद्ध हुई है।
4.संचालित शैक्षणिक संस्थाओं की सुविधाओं तथा आवासीय विद्यालयों की लाभान्वित योजनाओं के कारण अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के जीवन में शिक्षा के प्रति सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहे हैं।

सुझाव :–

1.शैक्षणिक संस्थाओं की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है, किन्तु प्रवेशित छात्र संख्या में कमी है। अतः इसमें वृद्धि के लिए इस वर्ग में जागरूकता लाने पर पूर्णतः बल दिया जाये। इसके लिए जागरूकता भरे अभियान चलाये जाना चाहिए।
2.छात्रावास/आश्रम प्रबन्धनों की व्यवस्था के अन्तर्गत साफ–सफाई, पौष्टिक भोजन के साथ–साथ प्रतिदिन समयानुसार शैक्षिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, जिससे इस वर्ग में शिक्षा के प्रति सकारात्मक भाव जागृत हो सके।
3.छात्रावासों/आश्रमों से मिलने वाले लाभों तथा सुविधाओं की जानकारी प्रत्येक परिवार तक पहुँचाने की आवश्यकता है।
4.आदिवासी/पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा के प्रचार–प्रसार फैलाव की आवश्यकता है। इसके लिए चलचित्र, नाटकों, निर्देशन–परामर्श के द्वारा तथा मनोरंजक साधनों द्वारा शिक्षा का प्रचार–प्रसार किया जावे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1.मिश्रा लक्ष्मी (2002)– मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में शिक्षा, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
2.तिवारी शिवकुमार, शर्मा श्रीकमल (2009)– मध्यप्रदेश की जनजातियाँ।
3.कुमार, योगेश, फिफ्थ सर्वे ऑफ एजूकेशनल रिसर्च, 1988–92, एनसीआरटी
4.प्रशासकीय प्रतिवेदन 2009–10, 2010–11 एवं 2011–12, मध्यप्रदेश शासन, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग।

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net